

फर्द अहकाम


कार्यालय उपखण्ड अधिकारी मावली, उदयपुर

मुकदमा बैरु सिंह विपक्षी बनतार सिंह
बाड पत्रावली संख्या 148/21 सन् _____

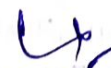
कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गईं
-----------------	--

2/9/22 पत्रावली फेर 32) अदिना
 उक्त पत्रावली उपा जफत 01/11/22 पर
 बदन मुनीगांठी की निरीक्षण नहीं
 होये जफत 01/11/22 - न्यायहित में
 स्वीकार किया जाता है तथा उद्योग में
 में बर्षित जवाब की प्रतिकृति के रूप में
 पत्रावली बनार जाने का आदेश दिया
 जाता है। बाडी तयोजित दि. 06/01/23
 को प्रतिकृति अपना पत्रावली फेर को
 पत्रावली दिनांक 25/11/22 में फेर को

25/11/2022
 बहुलाय वारी/प्रतिवादी उप./ जवाब
 के लिये मौका चाहते हैं। अतः 06
 अक्सर दिया जाकर पत्रावली दि 06/01/2023
 को पेश हो।


 SDO मावली

06/01/23
 बहुलाय वारी/प्रतिवादी उप./ जवाब
 के लिये मौका चाहते हैं। अतः 17/03/23
 अक्सर दिया जाकर पत्रावली दि 17/03/23
 को पेश हो।


 SDO मावली

17/3/23
 आज दिनांक की वार एसोसियेशन मावली
 में कार्य स्थगित रखने का अनुरोध किया।
 अतः पत्रावली पूर्व आदेशनुसार दिनांक....
 ..02/6/23.....को पेश हो।



२०/१/२२
 पत्रावली तलाश के लिए प्रसारण गार्डों के संग
 अभियान-2022 के अंतर्गत जाने से पत्रावली
 में अधिवक्ता के नाम का प्रवेश किया जाकर
 पत्रावली के सोपना
 दिनांक 14/6/23 को पेश हो

सहायक कलक्टर
 'SDO' मावली

14/6/23
 पत्रावली आज कोम्प पेश हुई।
 प्रकरण में पक्षकारों के मध्य राजी-
 नामा नहीं हो पाया। अतः पत्रावली
 पूर्व आदेश की पालना में न्यायालय
 हाजा में दिनांक 11/9/23 को
 पेश हो

सहायक कलक्टर
 'SDO' मावली

नेहा
 निरमल
 शैल
 Harinder Singh
 प्रदीप
 सिद्ध
 गंगा कुंवर
 सविता कुंवर

11/7/2023
 पत्रावली अधिवक्ता वादीगण मध्य वादीगण द्वारा तलब
 मध्य विज्ञो का पेश करने पर तलब की गई। अधिवक्ता
 वादीगण द्वारा वादी सं. 5 फौज होने से प्र.पत्र 022R3UPC
 का पेश किया, आ. का. रहे। अधिवक्ता उपाधी द्वारा प्र.पत्र
 स्वीकार किये जाने पर कोई आपत्ति जाहिर नहीं की। अतः
 कोई आपत्ति नहीं होने से वादी का प्र.पत्र 022R3UPC
 का न्यायद्वि में स्वीकार किया जाकर वादी सं. 5/1 से 5/4
 के रूप में पक्षकार बनाये जाने का आदेश दिया जाण है।
 अधि. वादी द्वारा संबोधित गीर्षक पेश किया, आ. का. रहे।
 अधि. वादीगण द्वारा प्र.पत्र विज्ञो का पेश कर पक्षकारान
 के मध्य आपसी राजीनामा हो जाने से प्रकरण में अब कोई
 कार्यवाही नहीं चाहकर प्रकरण को इसी स्तर पर ड्रॉप किया
 जाने का निवेदन किया। वादी सं. 5/1 से 5/4 की ओर से अधिवक्ता
 श्री मोक्षगुनी जोष्याजी द्वारा वकालतनामा पेश किया, आ. का. रहे।
 अधि. वादीगण की पहचान उनके अधिवक्ता द्वारा की गई। अतः,
 वादीगण कोई कार्यवाही नहीं चाहने से प्रकरण को आगे
 चलाये जाने का कोई आधिक्य नहीं है। अतः प्रकरण को
 इसी स्तर पर ड्रॉप किया जाण है। पत्रावली केसल
 सुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय सुनाया गया।



सहायक कलक्टर
 'SDO' मावली